vinetur

पहली छमाही में प्रमुख बाजारों में स्टिल वाइन की वैश्विक खपत 4% घटी

IWSR के मुताबिक Prosecco की खपत 3% बढ़ी, जबकि अमेरिका और चीन में गिरावट से श्रेणियों के बीच अंतर और बढ़ा

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



IWSR द्वारा ट्रैक किए गए 21 प्रमुख बाजारों में साल की पहली छमाही के दौरान स्टिल वाइन की वैश्विक खपत 4% घट गई, जबकि Prosecco की खपत 3% बढ़ी। यह वाइन कारोबार के भीतर बढ़ते अंतर को रेखांकित करता है, क्योंकि उपभोक्ता मांग श्रेणी और देश के अनुसार बदल रही है।

IWSR ने मंगलवार, 10 नवंबर को ये आंकड़े जारी किए। इनमें वे बाजार शामिल हैं, जो दुनिया भर में मादक पेय पदार्थों की खपत का 76% हिस्सा हैं। सभी मादक पेय पदार्थों को मिलाकर देखें तो इन बाजारों में कुल मात्रा 2025 की इसी अवधि की तुलना में 1% घटी। हालांकि, इस समग्र नतीजे पर अमेरिका और चीन का बड़ा असर रहा। इन दोनों देशों को हटाकर देखें तो समूह में मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 1% बढ़ी।

स्टिल वाइन पर सबसे ज्यादा दबाव दो सबसे बड़ी चुनौती वाले बाजारों से आया। IWSR के अनुसार, अमेरिका में जनवरी

से जून के दौरान मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 4% घटी। स्टिल वाइन की खपत 6% और बीयर तथा रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों की खपत 4%-4% कम हुई। चीन में मादक पेय पदार्थों का कुल बाजार 3% सिकुड़ा, जबकि स्टिल वाइन की खपत 9% घटी। चीन में घरेलू स्पिरिट्स की खपत 12% कम हुई।

IWSR ने कहा कि इस सुस्ती के पीछे आर्थिक दबाव और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार, दोनों की भूमिका है। अमेरिका में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई का दबाव और टैरिफ के कारण घरेलू खरीद क्षमता पर पड़े असर से बाजार कमजोर हुआ है। चीन में धीमी आर्थिक वृद्धि, रियल एस्टेट क्षेत्र की समस्याओं और बढ़ती उम्र की आबादी ने मांग को चोट पहुंचाई है। शोध समूह ने शराब का सेवन सीमित करने की व्यापक प्रवृत्ति की ओर भी इशारा किया, जिसका कई बाजारों में अनेक श्रेणियों पर असर पड़ रहा है।

हालांकि, इस संयम का असर हर सेगमेंट पर एक जैसा नहीं पड़ा। Prosecco सबसे स्पष्ट रूप से बढ़ने वाली श्रेणियों में रहा ; सर्वेक्षण में शामिल बाजारों में इसकी खपत 3% बढ़ी। IWSR ने गैर-अल्कोहलिक बीयर में 8% और भारतीय व्हिस्की में 4% की वृद्धि भी दर्ज की। यह अंतर संकेत देता है कि अलग-अलग मौकों पर पीए जाने वाले उत्पाद या कम अल्कोहल वाले और वैकल्पिक पेय प्रारूप कई जगहों पर पारंपरिक स्टिल वाइन की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

Prosecco की बढ़त यह भी दिखाती है कि किसी श्रेणी की खपत में वृद्धि और व्यापार का प्रदर्शन हमेशा एक दिशा में नहीं चलता। IWSR ने Prosecco की खपत में बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं इटली की सांख्यिकी एजेंसी Istat ने साल की पहली छमाही में Prosecco DOP के निर्यात की मात्रा में 0.3% गिरावट बताई। यह अंतर अधिक जटिल बाजार की ओर इशारा करता है, जहां खुदरा या बार-रेस्तरां की मांग में बढ़त का निर्यात खेपों में समान रूप से दिखना जरूरी नहीं है।

अमेरिका और चीन के बाहर तस्वीर मिली-जुली थी और कुछ बाजारों में प्रदर्शन बेहतर रहा। साल के पहले छह महीनों में भारत में मादक पेय पदार्थों की कुल मात्रा 10% बढ़ी। इस वृद्धि में पारंपरिक बीयर की 16%, रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थों की 12% और भारतीय व्हिस्की की 4% बढ़ोतरी का योगदान रहा। कोलंबिया में 9%, दक्षिण अफ्रीका में 5% और ब्राजील में 3% की वृद्धि हुई ; ब्राजील की बढ़त मुख्य रूप से बीयर और रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों से आई। पारंपरिक बीयर, बिना अल्कोहल वाले विकल्पों और रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थों के सहारे यूनाइटेड किंगडम में 2% वृद्धि दर्ज की गई।

दक्षिण अफ्रीका उन कुछ जगहों में शामिल रहा जहां स्टिल वाइन की खपत भी 3% बढ़ी। तेजी से बढ़ रहे हर बाजार में ऐसा नहीं हुआ। IWSR के आंकड़े बताते हैं कि भारत, ब्राजील और कोलंबिया जैसे देशों में बढ़त कुल मादक पेय पदार्थों की मात्रा में विस्तार के कारण है, न कि जरूरी तौर पर वाइन की मांग में मजबूती के चलते। वाइन उत्पादकों और वितरकों के लिए यह फर्क मायने रखता है। किसी बाजार में कुल वृद्धि मजबूत दिख सकती है, लेकिन उससे निकट भविष्य में स्टिल वाइन की बिक्री को सीमित सहारा ही मिले।

पहली छमाही के नतीजे यह भी संकेत देते हैं कि वैश्विक मादक पेय बाजार 2025 के मुकाबले सुधर रहा है, भले ही उसमें अब भी संकुचन है। 2025 की पहली छमाही में IWSR द्वारा ट्रैक किए गए बाजारों में मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 2024 की इसी अवधि से 2% कम थी। इस वर्ष की 1% गिरावट संकुचन की धीमी रफ्तार दर्शाती है। सात बाजारों—ब्राजील, मेक्सिको, भारत, यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, कोलंबिया और थाईलैंड—में मात्रा बढ़ी। इटली, फ्रांस और जर्मनी समेत छह अन्य बाजारों में गिरावट एक साल पहले के मुकाबले कम गंभीर रही। हालांकि, चीन, रूस, कनाडा, फिलीपींस और नीदरलैंड में स्थिति बिगड़ी।

पेय उद्योग के व्यापक परिदृश्य में, बाजारों और उत्पाद किस्मों के बीच यह अंतर कंपनियों के निवेश, विपणन और निर्यात संसाधनों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है। अब अल्कोहल की अलग-अलग श्रेणियों में वृद्धि समान रूप से नहीं फैली है। सबसे बड़े अवसर इस बात पर कम निर्भर हो सकते हैं कि बाजार का कुल आकार कितना है, और इस पर ज्यादा कि उपभोक्ता स्पार्कलिंग वाइन, गैर-अल्कोहलिक उत्पादों, रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थों या स्थानीय स्पिरिट्स की ओर बढ़ रहे हैं या नहीं।

स्टिल वाइन में गिरावट निर्यातकों के लिए खास तौर पर अहम है, क्योंकि अमेरिका कई वाइन उत्पादकों के लिए अब भी सबसे महत्वपूर्ण गंतव्यों में से एक है, जबकि चीन एशिया का ऐसा बाजार बना हुआ है जो चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद सबकी नजर में है। वहीं, Prosecco, गैर-अल्कोहलिक बीयर और कुछ स्थानीय स्पिरिट्स का बेहतर प्रदर्शन बताता है कि पीने के मौकों का स्वरूप बदल रहा है। उपभोक्ता समान उत्पादों को समान मात्रा में खरीदते रहने के बजाय पेय का प्रारूप बदलने या सेवन कम करने के लिए ज्यादा तैयार हैं।

IWSR के पहली छमाही के आंकड़े ऐसे वैश्विक बाजार की तस्वीर पेश करते हैं जिस पर अब भी दबाव है, लेकिन जो एक साल पहले की तुलना में कम समान रूप से कमजोर है। कई बड़े देशों में पारंपरिक बीयर और स्टिल वाइन जैसी अधिक मात्रा वाली श्रेणियों की मांग सुस्त बनी हुई है, जबकि कुछ सीमित सेगमेंट अब भी बढ़ रहे हैं। वाइन, बीयर और स्पिरिट्स के उत्पादकों के लिए इस असमान रुझान के चलते साल के बाकी हिस्से में देश और श्रेणी के अनुसार बिक्री की योजना बनाना अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।